हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 20 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 07 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

कांवड़ यात्रा में सहिष्णुता का परिचय दें : सतपाल महाराज, पर्यटन मंत्री

3

स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के चौथे सीजन में मुख्यमंत्री धामी ने की कई घोषणाएं

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के चौथे सीजन के विजेताओं को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सम्मानित करते हुए स्टार्टअप से जुड़ी कई घोषणाएं भी कीं हैं। इस दौरान सीएम धामी ने कहा स्टार्टअप नवाचारी विचारों को उद्यम में परिवर्तित कर राज्य की चुनौतियों का समाधान निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित कर राज्य के आर्थिक विकास को गति प्रदान कर सकते हैं....

देहरादून में आयोजित स्टार्ट-अप ग्रैंड चैलेंज कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार द्वारा योजनाओं तथा नीतियों के माध्यम से जहां राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि का प्रयास किया गया है, वहीं नवोन्मेषी विचारों को उद्यम में परिवर्तित करने तथा युवाओं की सृजनशीलता को सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से स्टार्ट-अप नीति लागू की गई है. इस नीति के माध्यम से युवाओं को रोजगार सृजन एवं अपना बॉस स्वयं बनने की ओर प्रेरित कर स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करने का प्रयास किया गया है...

राज्य सरकार स्टार्टअप नीति के माध्यम से कॉलेज स्तर से उद्यमिता को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है. युवाओं को रोजगार खोजने वाले के स्थान पर रोजगार प्रदाता के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए स्वरोजगार परक कई योजनाएं चलाई गई हैं. राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा दिए जाने तथा इन्क्यूबेटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित किये जाने एवं राज्य को स्टार्टअप के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है....

विजेताओं को 50-50 हजार की धनराशि पुरस्कार और प्रोत्साहन के रूप में प्रदान की जा रही है... जिसे बढ़ाकर 2 लाख देने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की. साथ ही मासिक भत्ते को भी 10 से 15 हजार सामान्य के लिए और 15 से 20 हजार SC/ST महिलाओं के लिए भी घोषणा की गई...

प्रदेश में 24 घंटे में मिले 60 नए संक्रमित, एक्टिव केस मामले 200 के पार पहुंचे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 60 नए संक्रमित मिले हैं, इनमें सर्वाधिक 37 केस देहरादून के हैं। दून में सक्रिय मरीज 201 हो गए हैं, जबकि पूरे प्रदेश में कुल 314 सक्रिय मरीज हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, मंगलवार को देहरादून में 37, हरिद्वार में आठ, नैनीताल में नौ, टिहरी में दो, पौड़ी, पिथौरागढ़, ऊधमसिंह नगर और उत्तरकाशी में एक-एक नए संक्रमित मिले हैं।

वहीं, 14 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद अब प्रदेश में कोरोना के 314 एक्टिव केस हैं। प्रदेश में तीन जिले अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। प्रदेश में कोरोना का पॉजिटीविटी रेट 3.94 प्रतिशत पहुंच चुका है। दूसरी ओर, मंगलवार को प्रदेश में 10 हजार 170 लोगों को कोविड वैक्सीन दी गई।

हाईकोर्ट ने दिए अगस्त पहले सप्ताह में अधिसूचना जारी करने के निर्देश, 17 को होगी सुनवाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल। हाईकोर्ट ने हरिद्वार में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने के लिए राज्य सरकार को अगस्त के पहले सप्ताह में अधिसूचना जारी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी एवं न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई।

हरिद्वार निवासी रंजन त्यागी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि सरकार हरिद्वार जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव नहीं करवा रही है जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। इस पर राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया कि आयोग त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए अगस्त पहले सप्ताह में अधिसूचना जारी कर देगा।

प्रदेश सरकार की ओर से महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर ने कोर्ट को बताया कि सरकार किसी प्रकार का विलंब नहीं कर रही है और ना ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि निकायों व पंचायतों का परिसीमन का काम पूरा कर लिया गया है। आरक्षण का कार्य जारी है। पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने चुनाव आयोग की ओर से दिए गए बयान को दर्ज करते हुए सरकार को अगस्त के पहले सप्ताह में अधिसूचना जारी करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तिथि नियत की है।

सेहत की बात : मीट खाने वाले बच्चों में मोटापा बढ़ने का खतरा ज्यादा

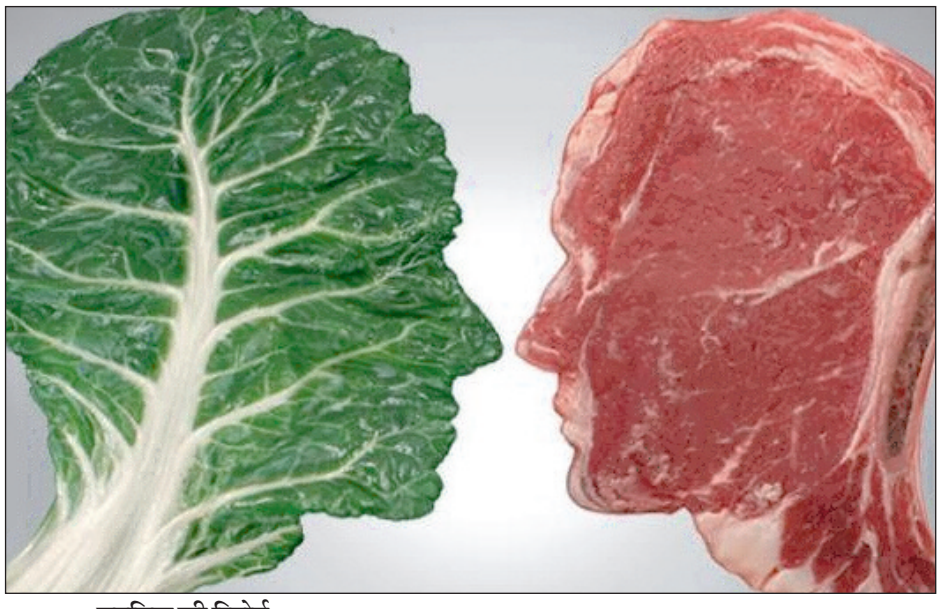

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनिया में मार्केटिंग के फंडे भी अजीब होते हैं। आज हम आपको एक दिलचस्प ऑफर के बारे में बता रहे हैं। दुनिया के एक हिस्से में स्पेनिश द्वीप इबीसा पर एक होटल है जहाँ मेहमान मुफ्त में एक रात रुक सकते हैं. लेकिन इसके पीछे एक दिलचस्प वजह है, जैसा कि उस होटल के मालिक ने बताया है. पैराडिसो आर्ट होटल के एक इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार, ये ज़ीरो सुइट पारदर्शी दीवारों से बना कमरा है. और यह होटल की लॉबी में स्थित है, जिसका मतलब है कि कोई भी व्यक्ति वहां ठहरे हुए मेहमानों को देख सकता है.

पैराडिसो होटल की वेबसाइट के अनुसार, ₹पैराडिसो आर्ट होटल लॉबी के बीच में एक कांच की दीवार वाला कमरा जहां आप एक रात मुफ्त में सो सकते हैं. वॉलफ्लॉवर के लिए उपयुक्त नहीं है. कलात्मक प्रदर्शन, रेडियो प्रसारण, डीजे सेट के लिए भी उपलब्ध है ... सुविधाएं बहुत हैं जब तक आपको लोगों के आकर्षण का केंद्र होना पसंद है.₹ओलंपिया एनली द्वारा वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म टिकटॉक (भारत में प्रतिबंधित) पर होटल की विस्तृत समीक्षा पोस्ट की गई थी.

भौगोलिक क्षेत्रों की वेबसाइटों, जहां आपको लोगों के आकर्षण का केंद्र होना पसंद है.₹ओलंपिया एनली द्वारा वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म टिकटॉक (भारत में प्रतिबंधित) पर होटल की विस्तृत समीक्षा पोस्ट की गई थी.

भौगोलिक क्षेत्रों की वेबसाइटों, जहां उसने एनली के वीडियो से विवरण पोस्ट किया.यूके स्थित लैडबिल के अनुसार, उसने वीडियो को कैप्शन के साथ शेयर किया ₹मैंने आज रात बहुत सारे दोस्त बनाए हैं.₹ हालांकि, बहुत से लोगों ने कहा, कि वे इसके लिए नहीं जा पाएंगे - भले ही एक रात मुफ्त में रहने को मिले.

ये होटल रात के लिए फ्री देता है शानदार कमरा, वजह करेगा हैरान

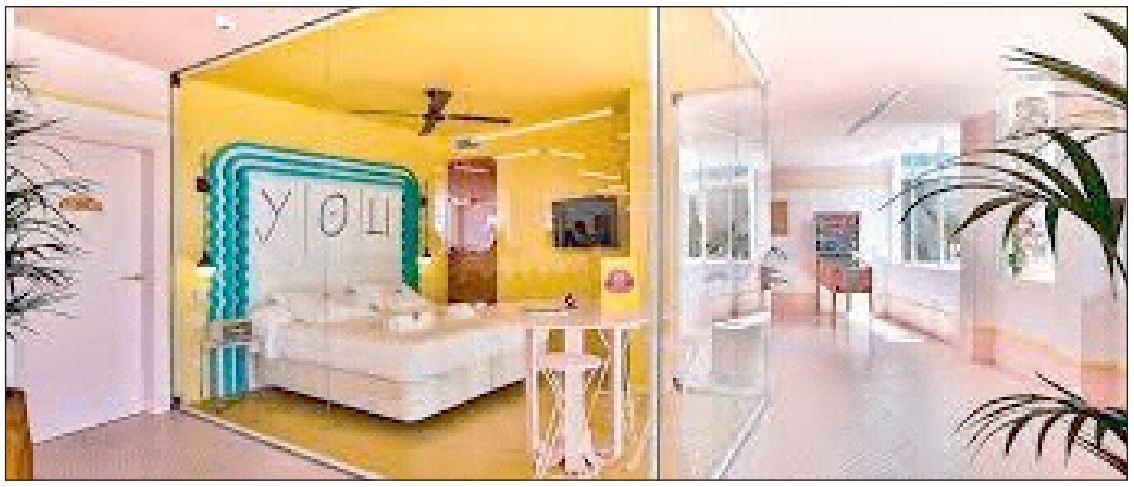

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनिया में मार्केटिंग के फंडे भी अजीब होते हैं। आज हम आपको एक दिलचस्प ऑफर के बारे में बता रहे हैं। दुनिया के एक हिस्से में स्पेनिश द्वीप इबीसा पर एक होटल है जहाँ मेहमान मुफ्त में एक रात रुक सकते हैं. लेकिन इसके पीछे एक दिलचस्प वजह है, जैसा कि उस होटल के मालिक ने बताया है. पैराडिसो आर्ट होटल के एक इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार, ये ज़ीरो सुइट पारदर्शी दीवारों से बना कमरा है. और यह होटल की लॉबी में स्थित है, जिसका मतलब है कि कोई भी व्यक्ति वहां ठहरे हुए मेहमानों को देख सकता है.

पैराडिसो होटल की वेबसाइट के अनुसार, ₹पैराडिसो आर्ट होटल लॉबी के बीच में एक कांच की दीवार वाला कमरा जहां आप एक रात मुफ्त में सो सकते हैं. वॉलफ्लॉवर के लिए उपयुक्त नहीं है. कलात्मक प्रदर्शन, रेडियो प्रसारण, डीजे सेट के लिए भी उपलब्ध है ... सुविधाएं बहुत हैं जब तक आपको लोगों के आकर्षण का केंद्र होना पसंद है.₹ओलंपिया एनली द्वारा वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म टिकटॉक (भारत में प्रतिबंधित) पर होटल की विस्तृत समीक्षा पोस्ट की गई थी.

भौगोलिक क्षेत्रों की वेबसाइटों, जहां

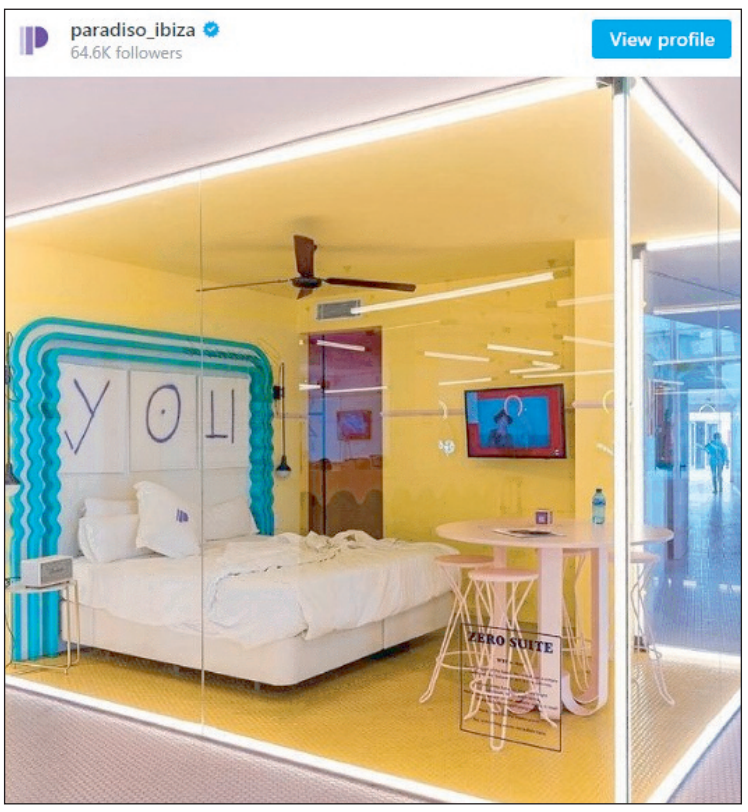

टिकटॉक का उपयोग किया जा सकता है, उसने एनली के वीडियो से विवरण पोस्ट किया.यूके स्थित लैडबिल के अनुसार, उसने वीडियो को कैप्शन के साथ शेयर किया ₹मैंने आज रात बहुत सारे दोस्त बनाए हैं.₹ हालांकि, बहुत से लोगों ने कहा, कि वे इसके लिए नहीं जा पाएंगे - भले ही एक रात मुफ्त में रहने को मिले.

कार पर बोल्डर गिरने से ननिर्वाचित प्रधान की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शपथ ग्रहण के लिए जा रहे प्रधान की चलती कार के ऊपर बोल्डर गिरने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नैनबाग में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। जौनपुर ब्लॉक के ग्राम टटोर के नवनिर्वाचित प्रधान प्रताप सिंह (50) पुत्र पंचू राम कार से बुधवार सुबह थत्यूड़ ब्लॉक कार्यालय जा रहे थे।

कार में गांव के ही चालक अर्जुन सिंह (48) पुत्र गुलाब सिंह और पास ही के गांव के मुनोगी की पुष्पा देवी (45) पत्नी सुंदर सिंह और उनकी बेटी नीतू (20) भी सवार थे। कार अगलाड़-थत्यूड़ मोटर मार्ग पर गरखेत के समीप पहुंची तभी करीब 9:45 पर अचानक पहाड़ी से चलती कार के ऊपर बोल्डर गिर गया, जिससे कार पूरी तरह पिचक गई।

सूचना पर पुलिस, राजस्व पुलिस और 108 सेवा मौके पर पहुंची। थत्यूड़ थानाध्यक्ष मनीष नेगी ने बताया कि दुर्घटना में टटोर गांव के नवनिर्वाचित प्रधान प्रताप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार अन्य लोग घायल हो गए थे। घायलों को नैनबाग अस्पताल में मरहम पट्टी के बाद छुट्टी दे दी गई। मृतक का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मसूरी भेजा जा रहा है। मृतक ग्राम प्रधान अपने पीछे पत्नी, दो बेटियों और एक बेटा का भरापूरा परिवार छोड़ गया।

आठ दिन में ही काफूर हो गई खुशियां

प्रताप सिंह आठ दिन पहले ही टटोर गांव के प्रधान निर्वाचित हुए थे। टटोर गांव में प्रधान का पद रिक्त चल रहा था। प्रधान पद पर हुए उप चुनाव में 29 जून को प्रताप सिंह को निर्वाचित घोषित किया गया था। प्रधान बनने के बाद घर परिवार में खुशी का माहौल था। बुधवार सुबह वह हंसी खुशी घर से प्रधान पद की शपथ लेने के लिए ब्लॉक मुख्यालय के लिए निकले थे। गांव से 25 किमी दूर पहुंचे ही थे कि कार के ऊपर मौत बनकर बोल्डर गिर पड़ा और उनकी मौके पर ही जान चली गई।

कांवड़ यात्रा में सहिष्णुता का परिचय दें : सतपाल महाराज, पर्यटन मंत्री

मोदी ट्रेल से होगी देवभूमि की ब्रांडिंग : महाराज

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि 2 साल बाद आयोजित हो रहे कावड़ यात्रा को ऐतिहासिक और सुरक्षित बनाने के लिए राज्य सरकार ने सभी तैयारी पूरी कर ली है। देश के कोने कोने से लाखों की संख्या में आने वाले शिव भक्तों पर इस बार हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी। वहीँ धर्मार्थ मंत्री महाराज ने कांवड़ियों से अपील करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा पुण्य और धर्म कर्म के लिए की जाती है , जिसमें शामिल सभी लोगों को मर्यादित आचरण करना चाहिए। वहीँ उन्होंने ये भी कहा कि इस दौरान देश में सहिष्णुता का परिचय देना भी ज़रूरी है।

न्यूज़ वायरस के साथ खास बातचीत में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और धर्मार्थ विभाग के मुखिया सतपाल महाराज ने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड के लिए एक तरफ चार चार धाम यात्रा को सकुशल संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है वही शिव भक्तों के सबसे बड़े अनुष्ठान कांवड़ यात्रा को सरल सुगम और सुरक्षित बनाना भी बड़ी जिम्मेदारी है। आपको बता दें कि हरिद्वार में हर की पैड़ी पर कावड़ यात्रा के दौरान लाखों की संख्या में कांवरियों का हुजूम उमड़ता है जिसके लिए स्थानीय स्तर पर न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना जरूरी होता है बल्कि यातायात , खानपान और साफ सफाई के साथ-साथ सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए भी खास इंतजाम की जरूरत पड़ती है। जानकारी देते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार और सभी संबंधित विभागों ने तैयारी पूरी कर ली है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि मानसून सीजन में पहाड़ों की सड़कों पर वाहन चलाना भी एक बड़ी चुनौती होती है लिहाजा जो लोग पहाड़ों की ओर आ रहे हैं या चार धाम यात्रा की तरफ जा रहे हैं उन्हें जगह जगह पर बने सरकारी पॉइंट पर मौसम की जानकारी लेकर आगे बढ़ना चाहिए... इसी के साथ उन्होंने कहा कि पहाड़ों में तेज रफ्तार गाड़ियां दौड़ाना खतरे को दावत देना होता है। पर्यटक नजारों का लुत्फ ले , बारिश और हरियाली को रुक कर सुरक्षित स्थान पर निहारे और तस्वीरें ले लेकिन जब वह गाड़ी चला रहे हो तो रफ्तार पर नियंत्रण बेहद जरूरी है। हांलाकि सभी महत्वपूर्ण पॉइंट्स पर सुरक्षा इंतज़ाम पुख्ता होने का दावा भी पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर ने किया है।

वहीं महाराज ने एक बड़ी जानकारी देते हुए बताया कि दुनिया के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं में शामिल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उत्तराखंड में अलग अलग यात्राओं की वीडियो को आधार बनाते हुए एक बड़े प्रोजेक्ट पर भी पर्यटन विभाग काम कर रहा है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पहाड़ों में जहां-जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गए उसे विशेष रुप से हाईलाइट करने की योजना बनाई जा रही है। जिसके लिए मोदी ट्रेल योजना भी बनाई जा रही है जिससे पर्यटक प्रदेश की ब्रांडिंग को और भी मज़बूती दी जा सके।

वीर सावरकर जिस जेल में रहे, एक बार उस स्थान को ज़रूर देखें : सतपाल महाराज

पर्यटन मंत्री महाराज ने किया चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी की लड़ाई में वीर सावरकर जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अंडमान निकोबार की जिस जेल में वीर सावरकर जी को रखा गया। अपने जीवन में एक बार उसे देखने अवश्य जाएं। ये बातें प्रदेश के संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित कलाकारों को संबोधित करते हुए कही।

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर बुधवार को घंटाघर स्थित एनएचबी कंपलेक्स में ₹उत्तरा समकालीन कला संग्रहालय₹ (आर्ट गैलरी) में राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शन के उद्घाटन अवसर पर प्रदेश के संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने चित्रकला प्रदर्शनी में भाग ले रहे कलाकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाले उत्तराखंड के जिन शहीदों को हम लोग भूल चुके हैं, चित्रकला प्रदर्शनी के माध्यम से कलाकारों ने उन शहीदों को याद कर एक सराहनीय प्रयास किया है। आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी को देख कर संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि आजादी की लड़ाई में अपना जीवन होम करने वाले वीर सावरकर जी जिस जेल में आजीवन कारावास के दौरान रहे हमें जीवन में एक बार उसे जरूर देखना चाहिए। आजादी की लड़ाई में अपना जीवन बलिदान करने वाले उत्तराखंड के महान सपूत चंद्र सिंह गढ़वाली एवं जयानंद भारती के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

संस्कृति मंत्री महाराज ने कहा कि वह राज्य में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ हमेशा कलाकारों को सम्मान देने के पक्ष में रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश में ललित कला, नाट्य कला और साहित्य कला को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कलाकारों को भी इस हेतु समय-समय पर सरकार को अपने सुझाव देने चाहिए।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने देशभर में आजादी के अमृत महोत्सव पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए केंद्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और ललित कला अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के चेयरमैन नंदलाल ठाकुर को भी इसके लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

मानसून में सड़कों की गुणवत्ता में कोई भी कमी नहीं आनी चाहिए : सतपाल महाराज

पीडब्ल्यूडी बैठक में मंत्री सतपाल महाराज ने कसे विभागीय अधिकारियों के पेंच

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने मैराथन बैठक कर अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करने के साथ-साथ नई तकनीक की जानकारी और उसके क्रियान्वयन हेतु अभियंताओं एवं अधिकारियों के प्रशिक्षण पर ज़ोर दिया है। मंत्री सतपाल महाराज ने लोक निर्माण विभाग मुख्यालय में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक कर पूर्व में दिए गए निर्देशों की प्रगति की जानकारी ली। मानसून की बदलती प्रकृति को देखते हुए मंत्री महाराज ने कहा कि हमें अपनी तैयारियां उसी के अनुसार करनी होंगी सड़कों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर की कमी के लिए जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। तेज बारिश के कारण भूस्खलन हो रहा है ऐसे भी हमें सजग रहने की आवश्यकता है और साथ ही समय-समय पर सड़कों एवं पुलों की जांच भी कर ली चाहिए। कार्यों के लिए समयबद्धता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखना होगा।

उन्होंने समीक्षा बैठक के दौरान लोनिवि अधिकारियों से को निर्देश दिए कि अधिकांश स्थानों पर जो विभागीय डाक बंगले हैं उनकी स्थिति काफी दयनीय है, जिन्हें शीघ्र ही ठीक किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जहां पर विभागीय व्यवस्था संभव ना हो वहां पर उन्हें लीज पर देकर उसकी देखरेख की जिम्मेदारी दिए जाने की आवश्यकता है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि नई तकनीकी जानकारी हमारे अभियंताओं और अधिकारियों को हो इसके लिए लोक निर्माण विभाग एक सम्मेलन आयोजित करें, जिसमें सिंचाई, लघु सिंचाई और ग्रामीण निर्माण विभाग को भी शामिल किया जाए।पूर्व में दिए गए लोक निर्माण मंत्री के निर्देशों के अनुपालन की जानकारी देते हुए लोक निर्माण विभाग के एचओडी अयाज अहमद ने बताया कि लोक निर्माण विभाग में खंड स्तर पर बायोमेट्रिक उपस्थिति की शुरुआत कर दी गई है। विभाग में कुल 267 पदों को भरने की प्रक्रिया चल रही है। सड़कों के किनारे नालियों का निर्माण भी विभाग द्वारा किया जा चुका है। साइन बोर्ड दिल लगाए जा चुके हैं अधिकांश मोटर मार्गो पर क्षतिग्रस्त साइन बोर्ड को हटाकर ठीक कर दिया गया है।

बैठक के दौरान सचिव लोनिवि आर.के. सुधांशु, अपर सचिव सुमन सिंह वल्दिया, अतर सिंह, एचओडी अयाज अहमद सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।मंत्री सतपाल महाराज ने अमृत सरोवर योजना पर शीघ्रता से काम करने के भी दिए निर्देशप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री पुष्कर

सिंह धामी के निर्देशन में अमृत सरोवर योजना के तहत अनेक जलाशयों का निर्माण होना है। इसके लिए सिंचाई विभाग को पंचायत विभाग आपस में तालमेल बैठाकर कार्य करना होगा।ये कहना है प्रदेश के सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज का जो सिंचाई एवं लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे। सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि जल संचय हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना अमृत सरोवर के तहत प्रदेश में अनेक जलाशयों का निर्माण किया जाना है। इसके लिए जरूरी है कि सिंचाई विभाग और पंचायती राज विभाग आपस में तालमेल बनाकर ऐसे स्थानों का चयन कर कार्य योजना तैयार करें।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों के सहयोग से अनेक चाल-खालों का निर्माण कराया जा रहा है इसलिए सिंचाई विभाग को प्रधानमंत्री जी की योजना को धरातल पर उतारने के लिए इस विषय पर मिलकर एक वर्कशॉप आयोजित करनी चाहिए।समीक्षा बैठक के दौरान सिंचाई मंत्री ने लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह स्प्रिंकलर सिंचाई के महत्व को बताते हुए कम पानी में सिंचाई कैसे होती है इस बारे में किसानों को वीडियो फिल्मों के माध्यम से जानकारी दें।समीक्षा बैठक में सचिव सिंचाई हरिश्चंद्र सेमवाल, सिंचाई विभाग के एचओडी मुकेश मोहन, लघु सिंचाई के एचओडी बी.के. तिवारी आदि मौजूद थे।

उन्नति महिला उद्यमिता एवं प्रशिक्षण समिति देहरादून, डॉ भावना गोयल ने चाय बागान स्वच्छता सफाई अभियान चलाकर दीया, जीरो पॉलिथीन अपनाने का संदेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पोस्टडॉक्टरल वूमेन साइंटिस्ट (यूजीसी) व सचिव उन्नति महिला उद्यमिता एवं प्रशिक्षण समिति देहरादून, डॉ भावना गोयल ने देश को स्वक्च्छ व पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए दृढ़ संकल्प लिया है। अपने इस संकल्प की श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने देहरादून के एक बहुत ही सुंदर स्थान बसंत विहार काली मंदिर के सामने के चाय बागान को साफ रखने के लिए जागरूकता व सफाई अभियान चलाया हुआ है। उन्होंने अपने साया भ्रमण के दौरान देखा कि हजारों लोग यहां सुबह व शाम स्वच्छ हवा लेने के लिए भ्रमण के लिए आते हैं। पर यह स्थान बहुत ही गंदा हो रहा है। लोग पूजा सामग्री को पॉलिथीन में भरकर नहर में प्रवाहित कर देते हैं जिससे नहर में पॉलिथीन का ढेर इकट्ठा हो जाता व नहर बहुत ही गंदी व चौक जाती है। यही पॉलिथीन खेतों में व जानवरों के पेट में जाती है, जिससे उनकी मृत्यु भी हो सकती है। इन्हीं कूड़े के ढेरों से ही बीमारी फैलाने वाले भिन्न प्रकार के विषाणु कीटाणु जन्म लेते हैं। अगर हम कूड़े के ढेरों को ही होने से रोक देंगे तो कोई भी बड़ी बीमारी आएगी कि नहीं। हमें लोगों के दिल और दिमाग में यह बात समझानी होगी कि, भगवान कभी नहीं चाहेंगे कि उन्हें नाली में फेका जाए और उनके द्वारा देश को गंदा किया जाए। हमें लोगों में जागरूकता फैलाने होगी वह लोगों को ऐसा करने से रोकना होगा।

डॉक्टर भावना का मानना है कि सरकारें बहुत अच्छी योजनाएं बनाती है लेकिन उन योजनाओं को सफल बनाना हर नागरिक की अपनी जिम्मेदारी है।जिसमें कि हर नागरिक को देश के प्रति अपने कर्तव्य के लिए जागरूक होकर अपना योगदान देना होगा। यह समय बड़े बड़े वादे करने का नहीं बल्कि अपनी जिम्मेदारी निभाने का है।अगर हर नागरिक गंदगी ना फैलाने का प्रण कर ले

तो हमारा देश भी विदेशों की तरह बहुत ही सुंदर व स्वच्छ बन जाएगा।

म्युनिसिपल कमिश्नर नगर निगम, देहरादून का जीरो पॉलिथीन जागरूकता व सफाई अभियान के इस निर्णय में तुरंत कार्यवाही हेतु सहयोग बहुत ही सराहनीय है।

उत्तराखंड चारा विकास नीति बनेगी वरदान : सौरभ बहुगुणा, पशुपालन मंत्री

वेबसाइट www.adh.uk.gov.in पर जनता के सुझाव मांगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड चारा विकास निधि 2022 डॉक्टर अजय पाल सिंह अस्वाल तथा मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन डॉ आर नेगी द्वारा राज्य के प्रगतिशील किसानों एवं प्रतिष्ठित पशुपालकों के साथ प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने प्रेजेंटेशन देखा और बताया कि केंद्र पोषित योजनाओं की gap filling प्रदेश को हेतु राज्य को चारा उत्पादन पशुधन के उत्पादों पर आत्मनिर्भर बनाने पशुधन में उत्पादकता बढ़ाने एवं रोजगार सर्जन करने के लिए जल्द ही इन नीतियों को कैबिनेट में पारित करने के लिए प्रस्ताव लाया जाएगा।

पशुपालन मंत्री बहुगुणा ने इस दौरान राज्य की जनता से भी अनुरोध किया है कि विभागीय वेबसाइट www.adh.uk.gov.in पर उपलब्ध उत्तराखंड चारा विकास नीति 2022 एवं मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मिशन की प्रस्तावित नीति का संज्ञान लेते हुए अगले 15 दिन में अपने बहुमूल्य सुझाव विभागीय मेल द्वारा या लिखित रूप से निदेशालय पशुपालन विभाग पशुधन भवन मथुरा वाला देहरादून को ज़रूर भेजें। सचिव पशुपालन ने प्रस्तावित नीति को प्रत्येक जिले में विभागीय अधिकारी द्वारा अपने अपने क्षेत्र में प्रगतिशील पशुपालन को ऐसे सुझाव भेजने के लिए प्रचार प्रसार करने निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड में पशुधन की गणना 2019 के अनुसार प्रदेश में 43.83 लाख पशुधन है पशुधन की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए अनुवांशिक सुधार के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक चारे की आवश्यकता है। वर्तमान में आवश्यकता के सापेक्ष हरे चारे में 31% तथा सूखे चारे में 17% की कमी है। पर्वतीय क्षेत्रों में अक्टूबर से मार्च तक मैदानी क्षेत्रों में मई से जून तथा सितंबर से नवंबर तक चारे की कमी बनी रहती है चारे की कमी की पूर्ति मुख्यता पंजाब एवं हरियाणा से आने वाले गेहूं के भूसे से की जाती है। भौगोलिक संरचना के कारण प्रदेश आपदा संभावित है जिसके कारण भी चारे की उपलब्धता बाधित होती है।उत्तराखंड चारा विकास नीति का उद्देश्य राज्य के पशुपालकों को पशुधन हेतु सुगमता से वर्ष भर में गुणवत्ता युक्त पर्याप्त मात्रा में जारी की उपलब्धता को सुनिश्चित करते हुए प्रति पशु उत्पादकता में वृद्धि करना तथा चारा विकास में रोजगार सर्जन एवं उद्यमिता का विकास करना है।चारा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए नोडल पशुपालन विभाग होगा। कृषि विभाग कोऑपरेटिव विभाग दुग्ध उत्पादक सहकारिता , संघ मंडी परिषद एवं वन विभाग सहायक विभाग होंगे उत्तराखंड चारा नीति के मुख्य बिंदु निम्नानुसार है।

1 - राज्य के पशुपालकों एवं चारा उत्पादक संगठनों को चारा उत्पादन हेतु पर्याप्त मात्रा में चारा फसलों के प्रमाणित चारा बीज निशुल्क उपलब्ध कराना पशुपालकों को प्रमाणित चारा बीज उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करने हेतु आधारीय बीज प्रदान किया जाएगा । अकर्षीकृत भूमि में नेपियर इत्यादि चारा घाटों के रोपण को बढ़ावा देने हेतु रूट स्ट्रोक चारा बीज प्रदान किया जाएगा।

2 - हरे चारे से साइलेज के उत्पादन को बढ़ावा देना एवं पशुपालक के द्वारा पर साइलेंट उपलब्ध कराकर साइलेज के उपयोग को बढ़ावा देना।

3 - शैलेश निर्माण में प्रयोग होने वाले हरा चारा को उपलब्ध कराना वाले साइलेज कोऑपरेटिव फेडरेशन में पंजीकृत कर सको को प्रति एकड़ हरा चारा उत्पादन पर रुपए 1000.00 प्रतिवर्ष प्रोत्साहन राशि प्रदान करना पर्वतीय जनपदों में चारा उत्पादन है तो प्रति नाली रुपए 1000.00 प्रोत्साहन धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी ।

4 - पर्वतीय क्षेत्रों के पशुपालकों को साइलेज के परिवहन पर 75 प्रतिशत तथा मैदानी क्षेत्रों हेतु 25 प्रतिशत अनुदान प्रदान करना।

5 - दुग्ध उत्पादन में प्रतिदिन 3.5 लाख अतिरिक्त दुग्ध का उत्पादन होगा चारा भेली निर्माण चारा उत्पादन साइलेज निर्माण दूध प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग तथा चारा भेली साइलेज हरा चारा दूध दुग्ध जनित उत्पाद के विपगण के क्षेत्रों में नवाचार के भारी अवसर पैदा होंगे

खाद्य सुरक्षा कानून लागू करने में उत्तराखंड पिछड़ा, ओडिशा पहले और यूपी दूसरे स्थान पर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) लागू करने के मामले में उत्तराखंड देश के बाकी राज्यों से पिछड़ गया है। हिमाचल, झारखंड के मुकाबले इस मामले में उत्तराखंड पूरे देश में 24वें पायदान पर है।

एनएफएसए के लिए जारी रैंकिंग सूचकांक 2022 में सभी राज्यों के आंकड़े सामने आए हैं। इस सूचकांक में ओडिशा पहले और यूपी दूसरे स्थान पर है। उत्तराखंड इस सूची में शीर्ष-20 में भी जगह नहीं बना पाया। इस सूची में त्रिपुरा पांचवें स्थान पर है।

हिमाचल प्रदेश 11वें और झारखंड 12वें स्थान पर रहे। तेलंगाना इस सूची में 14वें, सिक्किम 15वें, छत्तीसगढ़ 22वें स्थान पर है। उत्तराखंड 24वें स्थान पर है। उत्तराखंड से नीचे केवल गोवा, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, जम्मू कश्मीर, अंडमान निकोबार, मणिपुर, मेघालय और लद्दाख ही हैं। एनएफएसए लागू करने के मामले में उत्तराखंड का यह प्रदर्शन न केवल राष्ट्रीय स्तर बल्कि पूर्वोत्तर व हिमालयी 14 राज्यों में भी काफी पीछे रहा है। इस सूची में त्रिपुरा पहले, हिमाचल प्रदेश दूसरे और सिक्किम तीसरे नंबर पर है। जबकि उत्तराखंड का स्थान पांचवां है।

क्या हैं पिछड़ेपन के मायने

एनएफएसए के हिसाब से देखें तो केंद्र सरकार की खाद्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के मानक हैं। इन मानकों में डिजिटलीकरण, आधार सीडिंग सहित भुखमरी, कुपोषण को नियंत्रण करना भी शामिल है। सूचकांक में प्रदर्शन कम होने का मतलब यह है कि इन पैमानों पर उत्तराखंड के खाद्य आपूर्ति विभाग ने बेहतर काम नहीं किया है।

प्रेमी ने भाई बनकर प्रेमिका से किया साफ़-सुथरा ब्रेकअप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सोशल मीडिया पर एक शख्स द्वारा लिखा गया ब्रेकअप एप्लिकेशन लेटर काफी वायरल हो रहा है. इस शख्स ने अपनी चिट्ठी में काफी इज्जत और सम्मान के साथ अपनी एक्स से रिश्ता तोड़ते हुए उससे बहन-भाई का रिश्ता जोड़ दिया.प्यार एक बेहद खूबसूरत रिश्ता है. जब आप किसी से प्यार करने लगते हैं तो आपको सिर्फ वही सही लगने लगता है.उसके अलावा दुनिया में हर चीज सेकंड्री हो जाती है. लेकिन जिस प्यार में इंसान को सारी दुनिया झूमती नजर आती है, अक्सर वो रिश्ता बेहद खट्टेपन के साथ खत्म होता है.

ब्रेकअप का दर्द सहना हर प्रेमी जोड़े के लिए काफी मुश्किल होता है. लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ब्रेकअप की स्टोरी काफी वायरल हो रही है. इसमें किसी का दिल टूटा हो या ना टूटा हो, लोगों को हंसने पर मजबूर जरूर कर दिया.सोशल मीडिया पर एक लड़के द्वारा अपनी प्रेमिका के धोखे के बाद लिखा गया ब्रेकअप लेटर खूब वायरल हो रहा है.

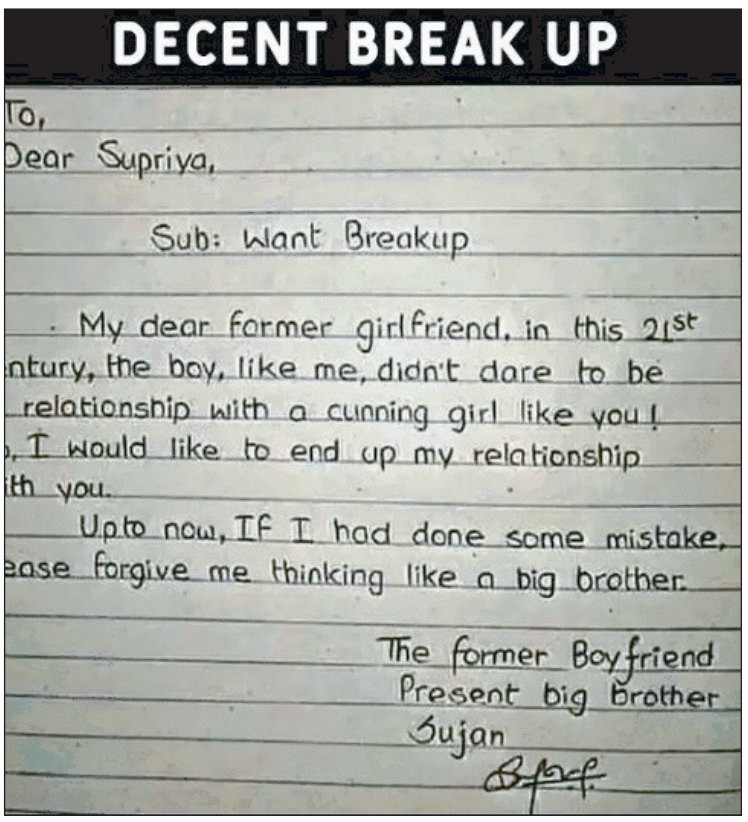
DECENT BREAK UP

To,

Dear Supriya,

Sub: Want Breakup

My dear former girlfriend, in this 21st ntury, the boy, like me, didn't dare to be relationship with a cunning girl like you! , I would like to end up my relationship ith you.

Up to now, If I had done some mistake, ease forgive me thinking like a big brother.

The former Boyfriend
Present big brother
Sujan

ये लड़का अपनी प्रेमिका की चालाकियों से तंग आ गया था. इसके बाद उसने बाकायदा एक चिट्ठी लिखी. इसमें सब्जेक्ट तक मेंशन किया गया. साथ ही वजह के साथ लिखा कि वो इस रिश्ते को खत्म करना चाहता है. लेकिन रिश्ते की इज्जत बरकरार रखते हुए उसने आगे किसी तरह की गलती के लिए माफ़ी भी मांगी. सबसे हैरत की बात तो ये है कि शख्स ने झट से एक चिट्ठी में ही अपनी एक्स को अपनी मौजूदा बहन बना डाला.

सुप्रिया के नाम था खत

वायरल हो रही ये चिट्ठी लोगों को खूब गुदगुदा रही है. इसमें लड़के ने लड़की को सुप्रिया के नाम से सम्बोधित किया. साथ ही सब्जेक्ट में लिखा कि उसे ब्रेकअप चाहिए. आगे उसने अपनी प्रेमिका को भूतपूर्व प्रेमिका संबोधित किया. और लिखा कि 21वीं शताब्दी में उसे इतनी चालाक लड़की नहीं चाहिए. इस कारण वो अपना रिश्ता खत्म कर रही है. साथ ही अगर अभी तक उसने कभी भी कोई गलती की हो, उसके लिए भी माफ़ी मांगी. सबसे मजेदार हिस्सा तो आखिरी में था. जिसमें लड़के ने खुद को सुप्रिया का एक्स प्रेमी और मौजूदा बड़ा भाई लिखा.

वायरल हुआ ब्रेकअप लेटर

सुप्रिया के नाम से लिखा गया ये ब्रेकअप लेटर काफी वायरल हो रहा है. इसे अभी तक कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शेयर किया जा चुका है. इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया जहां पर इसे अभी तक हजारों लाइक्स मिल चुके हैं. साथ ही लोगों ने इसपर कई मजेदार कमेंट्स भी किये...

हरिद्वार : कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस हुई सतर्क, ये रहेंगे रूट प्लान

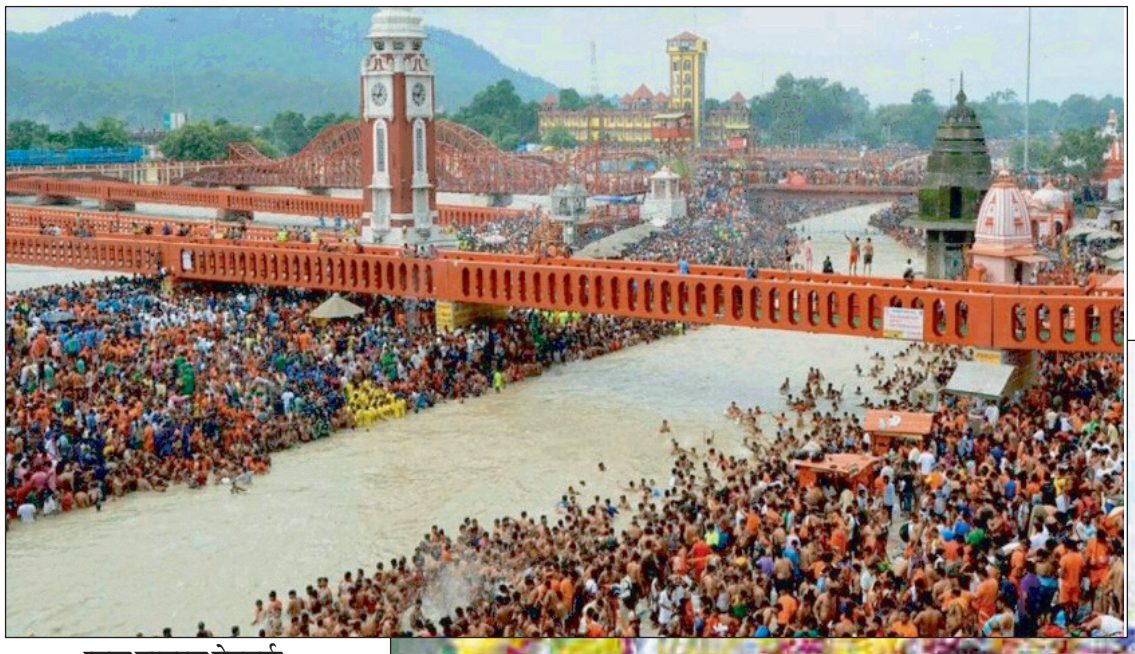

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून : भगवान शिव का प्रिय महीना सावन आगामी 14 जुलाई से शुरू होने जा रहा है. इस बार बीते सालों के मुकाबले काफी ज्यादा संख्या में कांवड़ियों के उत्तराखंड पहुंचने की उम्मीद है. इसे देखते हुए सरकार और पुलिस प्रशासन ने कांवड़ यात्रा को लेकर कमर कस ली है. लिहाजा, पुलिस के सामने भी कई चुनौतियां हैं. इसी कड़ी में कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले पुलिस तंत्र की अलग-अलग इकाइयों को तैनात किया जा रहा है. जो कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार, ऋषिकेश, नीलकंठ, पौड़ी के कुछ क्षेत्रों में तैनात रहेंगे. वहीं, कांवड़ यात्रा को लेकर रूट प्लान भी तैयार किया गया है.

डीआईजी गढ़वाल करन सिंह नगन्याल के मुताबिक, कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले पीएसी और आईआरबी की 20 कंपनियां, 2500 से ज्यादा पुलिसकर्मी, 500 सब इंस्पेक्टर और 100 इंस्पेक्टर समेत पुलिस तंत्र की अलग-अलग इकाइयों को तैनात किया जा रहा है. वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक कर सभी जिलों के अधिकारियों को हिदायत दी गई है कि जिन पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के ट्रांसफर हो चुके हैं, उनको अगले 3 दिनों में रिलीज किया जाए. ताकि कांवड़ यात्रा पर किसी तरह की फोर्स की कमी न आए. कांवड़ यात्रा के दौरान किसी तरह का हुड़दंग, अराजकता, धार्मिक उन्माद और शांति भंग न हो, इसको लेकर पुलिस ने यात्रियों के सत्यापन पर भी फोकस करने की योजना बनाई है. बकायदा इसके लिए उत्तराखंड पुलिस ने इंटर स्टेट बैठक कर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली समेत अन्य राज्यों की पुलिस से कांवड़ यात्रियों की सत्यापन को लेकर भी सामंजस्य बनाया है. यानी किसी भी राज्य से कांवड़ मेले में आने वाले यात्रियों को स्थानीय थाने से नाम दर्ज या सत्यापन कराकर आना होगा.

संपादकीय

डिजिटल विकास पर जोर

स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और आजीविका समेत जीवन की तमाम मूल जरूरतों के लिए लोगों का परस्पर जुड़ना अनिवार्य हो चुका है. कोरोना महामारी में डिजिटल कनेक्टिविटी से वंचित आबादी का एक बड़ा तबका शिक्षा और इलाज जैसी जरूरतों के लिए दो वर्षों तक दुश्वारियों का सामना करता रहा. डिजिटल असमानता सामान्य जीवनयापन में बड़ी चुनौती बन रही है. सभ्य समाज में ऐसी परिस्थितियां स्वीकार्य नहीं हैं. अतः राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक डिजिटल कनेक्टिविटी की जरूरत है, ताकि हर वर्ग डिजिटल माध्यम का हिस्सा बन सके. कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को आमजन तक पहुंचान में डिजिटल तकनीकें सबसे बड़ा माध्यम हैं. डिजिटल इंडिया सप्ताह के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया कि जिस तरह से डिजिटल मुहिम को मजबूती दी जा रही है, उससे भारत औद्योगिक क्रांति 4.0 का केवल हिस्सा ही नहीं, बल्कि इसका नेतृत्वकर्ता बन रहा है. इस मौके पर उन्होंने सिंगल साइन ऑन पोर्टल मेरी पहचान, डिजिटल इंडिया भाषिनी, डिजिटल इंडिया जेनेसिस एंड चिप्स टू स्टार्टअप (सीटूएस) समेत अनेक डिजिटल पोर्टल की शुरुआत की. इन कार्यक्रमों से देश में कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, साथ ही आम जनजीवन में भी सुधार होगा. हाल के वर्षों में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने आम लोगों को राहत देने के साथ-साथ भ्रष्टाचार और बिचौलियों पर अंकुश लगाया है. वहीं, कल्याणकारी योजनाओं में डिजिटल तकनीकों ने सेवाओं को पारदर्शी व प्रभावी बनाया है. साल 2014 के बाद से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण यानी डीबीटी से लाभार्थियों के खाते में 23 लाख करोड़ रुपये से अधिक ट्रांसफर किये गये हैं. वहीं आधार, यूपीआई, कोविन और डिजीलॉकर जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों से आम सेवाएं आसान हुई हैं. डिजिटल इंडिया मुहिम देश को डिजिटलीकृत सशक्त अर्थव्यवस्था बनाने और ज्ञान आधारित समाज में परिवर्तित करने में मददगार है. वहीं बढ़ती डिजिटल संस्कृति से ई-कॉमर्स और अन्य प्रकार के व्यवसायों का दायरा बढ़ रहा है. मध्य वर्ग और टेक सैवी युवा आबादी को देखते हुए बुनियादी डिजिटल विकास और निवेश पर जोर देना होगा, ताकि देश में नवीनतम डिजिटल प्रौद्योगिकी की आमद और विस्तार हो. करीब 117 करोड़ से अधिक टेलीकॉम उपभोक्ताओं और 82 करोड़ से अधिक इंटरनेट सब्सक्राइबर के साथ भारत डिजिटल उपभोक्ताओं के लिए सबसे तेज उभरता बाजार है. साल 2019 में मैकिंसे के अध्ययन में भारत को दूसरी सबसे तेज डिजिटलीकृत अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया गया था. डिजिटल बुनियादी ढांचा, भौतिक और पारंपरिक बुनियादी ढांचे को एकीकृत करने के लिए लिहाज से महत्वपूर्ण है. बहुत जल्द 5जी टेक्नोलॉजी की शुरुआत हो रही है. इससे डिजिटल विकास की नयी संभावनाएं सृजित होंगी. इसके मद्देनजर शोध एवं विकास में निवेश बढ़ाने, स्वदेशी उच्च तकनीक निर्माण और डिजिटल कनेक्टिविटी में बौद्धिक संपदा को विकसित करने की जरूरत है.

यूपी के पैटा डैम में फंसा मिला वीर का शव, मगरमच्छ ने खाया हुआ था एक पैर और एक हाथ, बिलख उठे परिजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देवहा नदी के किनारे भैंस चराने गए 11 साल के बच्चे को मगरमच्छ के पानी में खींचकर ले जाने की घटना के तीसरे दिन यूपी के अमरिया क्षेत्र में पौटा डैम से उसका शव बरामद हुआ। यूपी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पीलीभीत भेज दिया। बच्चे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बीते रविवार की शाम को यूपी सीमा से सटे गांव मेहरबान नगर की मीना देवी पत्नी स्व. शोभा प्रसाद का 11 वर्षीय बेटा वीर सिंह देवहा नदी किनारे भैंस चरा रहा था। भैंस के नदी में घुसने पर वीर उसे बाहर लाने के लिए नदी में चला गया था जहां एक मगरमच्छ ने उसे पानी के भीतर खींच लिया था।

ग्रामीणों ने जाल डालकर एक मगरमच्छ को बाहर निकाला था लेकिन जांच में उस मगरमच्छ के पेट में कोई मानव अंश नहीं मिला था। वहीं लाठी-डंडों के वार से घायल मगरमच्छ ने बाद में दम तोड़ दिया था। इधर, मंगलवार को परिजन और ग्रामीण देवहा नदी में बालक की खोजबीन में जुटे थे।

इसी बीच, यूपी के अमरिया क्षेत्र के धुंधरी गांव के पास पौटा डैम में ग्रामीणों को बच्चे का शव फंसा दिखाई दिया। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन और अमरिया थाने की पुलिस घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने बालक के शव को बाहर निकलवाया। परिजनों ने शव की शिनाख्त वीर सिंह के रूप में की। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पीलीभीत भेजा गया। एसडीएम रविंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि बच्चे का एक पैर और एक हाथ मगरमच्छ ने खाया है।

वन विभाग ने मगरमच्छ की मौत के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। खटीमा वन क्षेत्र के रेंजर राजेंद्र सिंह मनराल ने बताया कि मगरमच्छ की मौत के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ वन्यजीव जंतु संरक्षण अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया गया है।

ममता बनर्जी के खिलाफ दिलीप घोष की 'टिप्पणी' से विवाद, कहा- कभी बंगाल, कभी गोवा की बेटी बन जाती हैं, मां-बाप का ठिकाना नहीं

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस ने पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष की गिरफ्तारी की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एक मीडिया समूह के निजी कार्यक्रम में ममता बनर्जी के खिलाफ भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष की कथित टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए बुधवार को उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

मीडिया समूह के कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सांसद दिलीप घोष ने ममता बनर्जी पर निशाना साधा। घोष ने ममता बनर्जी के वंश पर सवाल उठाते हुए कहा, 'ममता जिस राज्य में जाती हैं, खुद को उस राज्य का बताने लगती हैं। जब ममता बनर्जी बंगाल जाती हैं तो खुद को बंगाल की बेटी बोलती हैं, जब गोवा जाति हैं तो गोवा की बेटी बन जाती हैं। मां बाप का कोई ठिकाना नहीं है, कभी भी कुछ भी बोल देती हैं।'

घोष के इस बयान के बाद टीएमसी उन पर हमलावर हो गई है। टीएमसी ने कहा कि पहले दिलीप घोष ने मां दुर्गा के जन्म पर सवाल उठाया था। अब वे ममता बनर्जी के जन्म पर सवाल उठा रहे हैं। ममता इस वक्त भारत की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर हैरानी जताते हुए डायमंड हार्बर से तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी को टैग करते हुए ट्वीट किया, ₹अपमानजनक। पीएम नरेंद्र मोदी इस तरह की बयानबाजी करने वाले नेता को गिरफ्तार करने का समय आ गया है! क्या इस तरह भाजपा के नेता देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री के बारे में बात करते हैं?₹

घोष के बयान पर टीएमसी सांसद डॉ. काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि दिलीप घोष ने पहले भी गलत टिप्पणी की है। ममता भारत की बेटी हैं। हम उनके खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। दस्तीदार ने एक वीडियो में हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के अपशब्दों का इस्तेमाल एक राजनीतिक व्यक्तित्व द्वारा एक महिला के खिलाफ किया जा सकता है, जो देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं।

कुवैत में बंधक बनाए गए ठाणे दंपती घर लौटे, स्थानीय पुलिस और भारतीय दूतावास को मदद के लिए किया धन्यवाद

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक महिला और उसके पति का कुवैत जाकर अधिक धन कमाने और बेहतर जीवन बिताने का सपना तब टूट गया जब उनके नियोक्ता ने उनका शोषण किया और दोनों को बंदी बना लिया। लेकिन ठाणे पुलिस के 'भरोसा' सेल के प्रयासों और कुवैत में भारतीय दूतावास द्वारा दी गई सहायता के परिणामस्वरूप दंपती सुरक्षित रूप से भारत लौट आए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दंपती ने स्थानीय पुलिस और भारतीय दूतावास को सहायता के लिए धन्यवाद दिया है। मीरा भायंदर वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस के 'भरोसा' सेल की सहायक पुलिस निरीक्षक तेजश्री शिंदे ने कहा कि ठाणे जिले के भयंदर की एक महिला ने कुछ समय पहले शिकायत दर्ज कराई थी कि कुवैत में एक घरेलू सहायिका और उसके पति को उनके नियोक्ता ने बंधक बना लिया है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह दंपती को जानती है क्योंकि वह उनके साथ पहले भी काम कर चुकी है। तेजश्री शिंदे ने कहा, ''उसने अपनी शिकायत में कहा कि दंपती इस साल पांच अप्रैल को एक भर्ती एजेंसी के माध्यम से कुवैत गए थे। उन्हें कुवैत के एक नागरिक द्वारा घरेलू सहायक के रूप में काम पर रखा गया था। उन्हें 40,000 रुपये मासिक वेतन देने का वादा किया गया था। उन्हें घरेलू कामों और खाना पकाने के अलावा दो बच्चों की देखभाल करने का काम सौंप गया था।"

दोनेस्क पिछले 24 घंटे में जबरदस्त हमले, 3.5 लाख यूक्रेनियों से क्षेत्र छोड़ने को कहा, पांच की मौत

कीव/मॉस्को, एजेंसी। लुहांस्क पर कब्जे के बाद रूस ने यूक्रेन के दोनेस्क क्षेत्र में पूरी ताकत झोंक दी है। यहां रूसी बमबारी के चलते 24 घंटे में 5 मौतें हो गई और 21 से ज्यादा घायल हो गए हैं। रूसी सेना के दोनेस्क क्षेत्र में अपने लिए रास्ता बनाने के बीच क्रामातोर्स्क में 3.5 लाख यूक्रेनियों से घर खाली करने को कहा गया है।

दोनेस्क के गवर्नर पावलो किरिलेंको ने बताया कि रूसी सेना के अफसरों ने क्षेत्र के साढ़े तीन लाख निवासियों को यहां से हटने की अपील की है। उन्होंने बताया, लोगों की जान बचाने के लिए यह बहुत जरूरी कदम होगा क्योंकि लोगों को क्षेत्र से हटाने के बाद यूक्रेनी सेना शहर में जंग की तैयारियां सही से कर सकेगी।

गवर्नर ने कहा, अब यूक्रेन का भाग्य दोनेस्क क्षेत्र तय करेगा। इस बीच, दोनेस्क क्षेत्र में रूस ने भारी गोलाबारी की है। दोनबास क्षेत्र में अधिकांश लोग रूसी भाषा बोलने वाले हैं इसलिए रूस इस क्षेत्र को अपने कब्जे में लेना चाहता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के 133वें दिन रूसी सेना ने स्लोवियांस्क शहर में गोलाबारी बढ़ा दी। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई और 7 गंभीर रूप से घायल हो गए। लिसिचंस्क पर कब्जे के बाद रूसी सेना ने यहां हमले बढ़ा दिए हैं। स्लोवियांस्क शहर के मेयर ने कहा है कि रूसी सेना बाजारों को लक्ष्य कर हमला कर रही है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की प्रमुख मिशेल बाचेलेट ने रूसी सेना द्वारा यूक्रेन में सैकड़ों आम नागरिकों को हिरासत में लेने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, परिषद द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों का डाटा एकत्र करने से रोकने की कोशिश भी की गई है। अब तक की जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तारी के 270 मामले सामने आए हैं। दर्ज किए है। पीड़ितों में से आठ के शव पाए गए हैं। रूस ने इस मुद्दे को उनके देश को बदनाम करने का हिस्सा बताया।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने कहा कि 27 देशों वाले यूरोपीय संघ (ईयू) को रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के चलते रूस से मिलने वाली गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहने के लिए तैयार रहना चाहिए। ईयू पहले ही रूस पर ऊर्जा ऊर्जा आपूर्ति समेत कई प्रतिबंध लगाए हैं और वह क्रेमलिन नियंत्रित वस्तुओं की आपूर्ति से खुद को दूर कर रहा है। उन्होंने फ्रांस में ईयू विधायिका में कहा, हमें गैस की आपूर्ति रुकने की तैयारी अभी से करनी चाहिए। यह पूरी तरह बंद हो सकती है।

पीएम मोदी आज वाराणसी को देंगे 1800 करोड़ की 43 परियोजनाओं की सौगात, शहर में बच्चों से करेंगे बात

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को नई शिक्षा नीति की आधारशिला रखने के साथ ही बदलते बनारस को सौगात देने के लिए वाराणसी आएंगे। करीब सवा चार घंटे के दौरे में पीएम मोदी सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं के लिए मिड डे मील बनाने वाली अक्षय पात्र रसोई का उद्घाटन करेंगे।

इसके बाद सिगरा स्टेडियम में 1774.34 करोड़ की 43 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कर जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर में देशभर के शिक्षाविदों के अखिल भारतीय शिक्षा समागम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। देर शाम वे यहां से रवाना हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर करीब दो बजे विशेष विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और सेना के हेलीकाप्टर से पुलिस लाइन आएंगे। यहां से सड़क मार्ग से अर्दली बाजार स्थित एलटी कालेज परिसर जाएंगे और अक्षय पात्र किचन का उद्घाटन करेंगे। यहां वे 20 छात्र-छात्राओं से संवाद करेंगे और उनके साथ ही मिड डे मील का स्वाद भी चखेंगे।

यहां से वे सड़क मार्ग से ही सिगरा स्थित रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर आएंगे और नई शिक्षा नीति पर आयोजित देशभर के शिक्षाविदों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इसके बाद पीएम मोदी सिगरा स्थित संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा से पहले 12 सौ 20 करोड़ रुपये की 13 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और 553.76 करोड़ रुपये की 30 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे।

शिक्षा मंत्रालय की ओर से रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर में तीन दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा समागम में देशभर के संस्थान अपने संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन की प्रगति का विवरण प्रस्तुत करेंगे। तीन दिवसीय शिक्षा समागम में नौ विषयों पर पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी। पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन के बाद नई शिक्षा नीति को शैक्षणिक संस्थानों में लागू करने पर मंथन किया जाएगा।

बलोचिस्तान में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से 25 लोगों की मौत, क्वेटा में आपातकाल घोषित

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में बुधवार को मूसलाधार बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ के चलते एक ही परिवार की छह महिलाओं सहित कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद क्वेटा जिले में आपात स्थिति की घोषणा करनी पड़ी। कई के लापता होने के कारण मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है।

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के महानिदेशक नसीर अहमद नासर ने कहा, सभी मौतें बलोचिस्तान के कई हिस्सों में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण हुईं। मूसलाधार बारिश में कईं लोगों के घायल होने की घटनाएं भी हुई हैं। बलोचिस्तान में कई लोग अभी लापता बताए जा रहे हैं इसलिए कई और मौतें संभव हैं।

नासर ने कहा कि क्वेटा जिले में 300 से अधिक कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचा है। क्वेटा में एक परिवार की 6 महिलाओं की मौत बारिश और तेज हवाओं के कारण उनके अस्थायी घर की दीवार गिरने के कारण हुई।

अधिकांश मौतें बारिश-जन्य दुर्घटना से

दो घायल महिलाओं की मौत इसलिए हुई क्योंकि उन्हें अस्पताल ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं थी। क्वेटा के बाहरी इलाके में मकान ढहने से तीन महिलाओं और चार बच्चों की भी मौत हो गई। बलोचिस्तान सरकार ने क्वेटा जिले में आपातकाल घोषित कर दिया है। क्वेटा में गहरे तालाब में डूबने के कारण जान गंवाने वाली दो लड़कियों के शव भोसा मंडी इलाके से बरामद किए गए। मांड क्षेत्र में तीन बच्चे पानी में डूब गई जबकि मस्तुंग जिले के दश्त क्षेत्र में दो महिलाओं की घर की दीवार गिरने से मौत हो गई।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा